आपके पत्र

विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका

विज्ञान प्रगति के अगस्त 2016 के अंक में प्रकाशित 'ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों हेतु लघु उद्योगः पुष्प निर्जलीकरण' लेख काफी उपयोगी लगा। एक समय था जब खाद्यान्न ही प्रमुख कृषि उत्पाद व आय का स्रोत माने जाते थे। बदलते परिवेश में समाज की जरूरतों तथा पसंद के अनुसार रोजगार के नये-नये अवसर पैदा किये गए। लेकिन उन अवसरों की जानकारी अधिकांश युवकों को नहीं होती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले युवाओं को संचार माध्यमों की कमी तथा जागरूकता के अभाव के कारण काफी देर से जानकारियां मिलती हैं और तब तक दूसरे अवसरों की शुरुआत हो चुकी होती है। विज्ञान प्रगति ऐसी पत्रिका है जो विज्ञान की विश्वस्तरीय जानकारी पूर्ण विस्तार के साथ हिन्दी भाषा में देती है। बदलती तकनीक के साथ-साथ इस पत्रिका की पृष्ठ सज्जा व गुणवत्ता में परिवर्तन आया है। जिसका लाभ देश के कोने-कोने के ग्रामीण परिवेश में रहने वाले युवाओं को मिल रहा है। पत्रिका के शानदार संयोजन व प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई स्वीकार करें।

डा. वी. के. वर्मा, प्रभारी चिकित्साधिकारी
जिला चिकित्सालय, बस्ती
जनपद-बस्ती 272 002 (उ.प्र.)
[मो. : 09415163328]

शिक्षकरूपी पत्रिका : विज्ञान प्रगति

जब मैं कक्षा 11वीं का छात्र था तब मैंने पहली बार विज्ञान प्रगति के दिसम्बर 2010 के अंक में प्रकाशित लेख 'कश्मीर की घाटी में रेल' पढ़ा, जिससे मुझे रेलगाड़ी के ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान की भी बहुत सारी ऐसी जानकारियां मिलीं जिनका मुझे ज्ञान नहीं था। मैं तभी से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक बन गया हूँ। इस पत्रिका में समय-समय पर प्रकाशित विभिन्न लेख जैसे-फूलों की घाटी, औषधीय घास, इंसान बना भगवान, मोटे अनाज आदि मुझे काफी पसन्द आये। इस पत्रिका से मुझे परीक्षाओं में मदद मिलती है। यह पत्रिका एक शिक्षक की तरह हम लोगों को विज्ञान, समाज और पर्यावरण से सम्बन्धित जानकारी देती रहती है। इस पत्रिका में आने वाली नवीन जानकारी को मैं अपने परिवार और मित्रों में बाटता हूँ।

श्री आदित्य नारायण, सुपुत्र श्री रामनारायण विश्वकर्मा
डॉ. आर. पी. रिछारिया पी. जी. कालेज, बरुआसागर
झाँसी 284 201 (उ.प्र.)
[मो. : 07081917272 एवं 09455255643;
ई-मेल : kartiksharma9455@gmail.com]

अतुलनीय पत्रिका

मैं वर्ष 2008 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति पढ़ने से विज्ञान के प्रति मेरा रुचि बढ़ी है। विज्ञान प्रगति के माध्यम से डॉ. कलाम से डॉ. भाभा तथा न्यूटन जैसे महान वैज्ञानिकों को करीब से जानने का मौका मिला। मैं भी भौतिक विज्ञान का छात्र हूँ। इसी पत्रिका के कारण मुझे अमेरिकी अंतरिक्ष एजेन्सी 'नासा' के बारे में गहराई से जानकारी मिली। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मैं भी इसी पत्रिका के कारण एक दिन वैज्ञानिक बनूंगा।

श्री रूपेश कुमार, सुपुत्र श्री भीष्म प्रसाद
पुरानी बाजार चैनपुर, पो.-चैनपुर
जिला-सीवान 841 203 (बिहार)
[मो. : 09006961354 एवं 09431936714]

प्रकाशमयी पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मुझे इसके सभी अंक रोचक और प्रकाशमयी लगते हैं। जून 2016 के विज्ञान प्रगति के अंक में प्रकाशित आमुख 'दिल्ली को समझना होगा सांसों का दर्द' बहुत ही महत्वपूर्ण लगा। यदि हम आज यह दर्द नहीं समझेंगे तो आगे चलकर यह दर्द और भी बड़ा दर्द बन जायेगा। विज्ञान प्रगति के माध्यम से प्रसारित हो रहा ज्ञान मनुष्य को आने वाले संकट और आत्मघात से बचा सकता है।

श्री अनमोल मौर्य, सुपुत्र श्री चन्द्र कुमार मौर्य
ग्राम-रीवाँ, पोस्ट-शिवदयालगंज, जिला-गोण्डा 271 319
(म.प्र.) [मो. : 08795299393]

रुचिकर पत्रिका

विज्ञान प्रगति, इक गुलदस्ता, रंग-रंग के फूल सजाये।
गूढ़ रहस्य विज्ञान क्षेत्र के, सभी पाठकों तक पहुंचाये।
रुचिकर लेख तथ्य सामग्री, बुद्धि ज्ञान को पुष्ट बनाती।
विज्ञान ज्ञान के प्यासे जन की, प्यास मिटा संतुष्ट बनाती।
विशेषज्ञ, विषय वैज्ञानिक, सब आलेख परीक्षण करते।
शोधित करें, विषय सामग्री, ये उचित मार्गदर्शन करते।
विज्ञान ज्ञान की वर्षा ऐसी, प्रतियोगी सब राहत पाते।
नित-नित नव तकनीकें पढ़ते, अपना बौद्धिक मान बढ़ाते।
मेरी मनोकामना मन से, मन में मेरे यही विचार।
वर्षों रहे पल्लवित पुष्पित, विज्ञान प्रगति नित करें प्रसार।

श्री चन्द्रप्रकाश पटसारिया, बेरबाला मोहल्ला इन्दरगढ़
जिला-दतिया 475 675 (म.प्र.)
[मो. : 09893678267]

विज्ञान प्रगति की ज्योति अपार

विज्ञान प्रगति का अंक प्रत्येक, लेकर आता गागर में सागर।
नये आविष्कार विज्ञान जगत के, हमें बताता एक-एक कर।
प्रत्येक पृष्ठ की सज्जा न्यारी, प्रस्तुति भी लगती है प्यारी।
हिन्दी में सब कुछ कहती है, सरल सुबोध भाषा रहती है।
लेख-चित्र का अनुपम मेल, बच्चों को भी भाता है।
शहर-ग्राम हर जगह सभी को, अंक सुलभ हो जाता है।
आपके-पत्र में भागीदारी, पाठकों को लगती है न्यारी।
सबके विचार अनुठे होते, फीड-बैक अच्छा हैं देते।
देश के कोने-कोने से, मिला सभी का प्यार दुलार।
निरन्तर इसमें दिखा निखार, सुझाव पाठकों के कर स्वीकार।
है यही राज जो विज्ञान प्रगति ने, सर्वोत्तम पहचान बनाई है।
शुभकामनाएं स्वीकार करें, विज्ञान प्रगति सम्पादक परिवार।
विश्व छितिज पर छा जाएगी, विज्ञान प्रगति की ज्योति अपार।

श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, एडवोकेट
जिला-संयोजक-कादम्बिनी क्लब
8/262-बैरिहवां, गांधीनगर बस्ती
जनपद-बस्ती 272 001 (उ.प्र.)
[मो. : 09839987104 एवं 07275256233]

पातल से लेकर आकाश तक

विज्ञान प्रगति के बारे में मुझे यह बताने में कोई चूक नहीं होगी कि यह पत्रिका पाताल से लेकर आकाश तक का ज्ञान बहुत हद तक कराती है। इस पत्रिका को पढ़ने के बाद विज्ञान की पुस्तकों में मेरी रुचि बढ़ गयी। विज्ञान प्रगति के अन्य स्तंभों के अलावा स्थायी स्तंभ 'विज्ञान समाचार' ज्ञानकोष में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध हुआ। मैं इसके प्रत्यक अंक को संभालकर रखती हूँ।

कु. आसमाँ, सुपुत्री श्री हबीब खाँ, ग्राम-बिजौली
जिला- मेरठ 245 206 (उ.प्र.) [मो. : 09837400138]